हिंदी दैनिक
मेट्रो सिटी
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, मंगलवार, 10 जून 2025

300 यूनिट तक मुफ्त बिजली का वीडियो वायरल
> महावितरण का दावा ऐसी कोई योजना नहीं

नागपुर. गरीब व मध्यमवर्गीय लोगों को 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो देखकर लोग खुश हो रहे हैं, लेकिन वीडियो में जो दावा किया गया है, वह सही नहीं है। महावितरण ने दावा किया कि 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली की ऐसी कोई योजना नहीं है।

वायरल वीडियो में मुख्यमंत्री व ऊर्जा मंत्री देवेंद्र फडणवीस के हवाले से यह बताया जा रहा है कि महाराष्ट्र में रहने वाले मध्यमवर्गीय व गरीब लोगों के लिए 300 यूनिट तक कोई बिल नहीं लगेगा। 1 जून 2025 से सुलभता के अंतर्गत यह योजना चलाने का दावा किया जा रहा है। इस पर महावितरण के सूत्रों ने दावा किया कि वायरल वीडियो फर्जी है। महाराष्ट्र में मध्यमवर्गीय व गरीबों को 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की कोई योजना नहीं चलाई जा रही है।

महावितरण नागपुर परिमंडल की ऐतिहासिक उपलब्धि

> बुटीबोरी के चार उपकेंद्रों को मिला आईएसओ 9001:2015 प्रमाणन

नागपुर.

महावितरण नागपुर परिमंडल ने गुणवत्तापूर्ण और सतत विद्युत आपूर्ति के अपने संकल्प को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाते हुए एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। सावनेर विभाग के धापेवाडा उपकेंद्र को पहले ही आईएसओ 9001:2015 प्रमाणन प्राप्त हो चुका है, और अब बुटीबोरी विभाग के चार उपकेंद्रों – निलडोह, सोनेगांव, मोहगांव और डोंगरगांव – को एक साथ यह प्रतिष्ठित गुणवत्ता प्रमाणन प्राप्त हुआ है।

इस प्रमाणन के साथ इन उपकेंद्रों की सेवाओं को अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों की मान्यता मिली है। अब इन केंद्रों पर 24x7 विद्युत आपूर्ति, 33/11 केवी उपकेंद्रों का संचालन, उच्च एवं निम्न दाब विद्युत लाइनों का रखरखाव, और डिस्ट्रिब्यूशन ट्रांसफॉर्मर्स की निगरानी आईएसओ मानकों के अनुरूप सुनिश्चित की जाएगी।

'एअसे ऑफ़ लिविंग' की दिशा में सशक्त कदम : महावितरण की 'एअसे ऑफ़ लिविंग' नीति के अंतर्गत यह उपलब्धि उपभोक्ताओं को बेहतर, सुरक्षित और भरोसेमंद सेवाएं देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। नागपुर परिमंडल के मुख्य अभियंता श्री दिलीप दोडके ने इस सफलता का श्रेय कर्मचारियों की मेहनत, समर्पण और नवाचार को देते हुए अन्य विभागों को भी आईएसओ प्रमाणन की दिशा में कार्य करने की प्रेरणा दी।

स्थापना दिवस समारोह में हुआ सम्मान : हाल ही में संपन्न महावितरण के 20वें स्थापना दिवस समारोह में इस उपलब्धि के लिए बुटीबोरी विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों का भव्य सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में लोकप्रिय कवि लोकनाथ यशवंत, टीवी अभिनेता अजित कोष्टी और महावितरण की संचालक (ग्राहक व्यवहार) एड. गौरी चंद्रायण प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य अभियंता श्री दिलीप दोडके ने की।

विशेष प्रशंसा और पुरस्कृत अधिकारी : बुटीबोरी विभाग के अति. कार्यकारी अभियंता अशोक गाणार को उनकी सतत निगरानी और प्रयासों के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

साथ ही, पहले से आईएसओ प्रमाणन प्राप्त धापेवाडा उपकेंद्र के लिए सावनेर विभाग के कार्यकारी अभियंता सुधीर हेडाऊ, अति. कार्यकारी अभियंता जयंत ठाकरे, कलमेश्वर उपविभाग के उपकार्यकारी अभियंता रोशन शेंद्रे, कनिष्ठ अभियंता रजत पवार और यंत्रचालक योगेश खिरडकर को भी मंच पर विशेष सम्मान प्रदान किया गया.

विशेष सम्मानप्राप्त अधिकारी व कर्मचारी :
बुटीबोरी विभाग के कार्यकारी अभियंता श्री स्वप्नील गोतमारे के नेतृत्व में कार्यरत निम्नलिखित अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया:
एमआयडीसी-2 उपविभाग: अति. कार्यकारी अभियंता फिरोज कनोजे, पराग फाटे; सहायक अभियंता प्रणय काळे, शैलेश निमकर
हिंगना उपविभाग: उपकार्यकारी अभियंता भूपेंद्र रंधे, कनिष्ठ अभियंता सुमित पिसे
बुटीबोरी उपविभाग: उपकार्यकारी अभियंता प्रशांत चरपे, सहायक अभियंता मनोज पुरी
यंत्रचालक: प्रशांत ओसवाल, सारंग चापले, महेंद्र वेठी, गणेश शंभरकर, नितीन वैद्य, संजय सिरसाम, गोविंद मानेकर, निलेश जाधव, मनोज चौधरी, हरीश झिले, राहुल शेंडे, प्रजापती, नीता काकडे.

छत्रपति शिवाजी महाराज का 352वां शिवराज्याभिषेक समारोह
शिवतीर्थ पर दुग्धाभिषेक कर हुई पूजा-अर्चना

नागपुर.

छत्रपति शिवाजी महाराज का 352वां शिवराज्याभिषेक समारोह सोमवार को तिथि के अनुसार नागपुर सहित पूरे राज्य में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शिवराज्याभिषेक समारोह का उत्साह नागपुर के शिवतीर्थ में भी देखने को मिला। महल क्षेत्र के गांधी गेट स्थित शिव तीर्थ पर महाराज की मूर्ति पर दुग्धाभिषेक कर पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान हजारों की संख्या में नागरिक और आम जान मौजूद रहे।

भारत के सबसे आराध्य देव छत्रपति शिवाजी महाराज का 352वां शिवराज्याभिषेक समारोह श्री शिवराज्याभिषेक सोहला समिति द्वारा महल स्थित शिवतीर्थ में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह 5.30 बजे श्री शिवाजी महाराज की पालकी निकाली गई। विभिन्न भागों से गुजरते हुए पालकी पुनः शिवतीर्थ पहुंची। इस पालकी में घोड़े, ढोल बजाने वाली टोली, ध्वजवाहक, बैंड, शिवकालीन खेल करते बच्चे व महिलाएं तथा मुद्रा टोली शामिल थी। सुबह से ही जयघोषों से गूंजते इस आयोजन में पारंपरिक ढोल-

ताशों, फर्री नृत्य, और मराठी पोशाकों में सजे युवाओं की टोली ने शिवकालीन वातावरण की झलक पेश की। इसके बाद गणमान्य लोगों ने दुग्धाभिषेक कर शिवाजी का राज्याभिषेक किया। इसके साथ ही पूजन, माल्यार्पण और आरती की गई। इस आरती के दौरान शिवाजी के जयकारों से आकाश गूंज उठा। आरती के बाद ढोल वादन का शानदार प्रदर्शन किया गया। नागपुर से कई ढोल वादन दल एकत्रित हुए और शानदार प्रदर्शन किया। इसके साथ ही शिवाजी युगीन खेल प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने शिवाजी महाराज की राष्ट्रभक्ति, धर्मनिष्ठा और प्रजावत्सलता को याद करते हुए युवाओं को उनके आदर्शों से जुड़ने का संदेश दिया। शिवभक्तों ने 'जय भवानी, जय शिवाजी' के नारों के साथ पूरे माहौल को वीररस से भर दिया। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि, आज से 350 साल पहले कैसे छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक हुआ होगा वह सोचता था, आज इस कार्यक्रम में शामिल होकर यह अनुभूति हो रही की मैं वहीं मौजूद हूँ।" उन्होंने आगे कहा, "शंभाजी महाराज को दी गई पीड़ा हम अभी भूले नहीं हैं। हमको याद यही और भूलेंगे भी नहीं। बहुत काम हुआ है और अभी बहुत बाकी है। शर्मा ने आगे यह भी कहा कि, "छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रेरणा है सब होकर रहेगा।"

वोटो में हेराफेरी करने में किरण कुलकर्णी मास्टरमाइंड
हर्षवर्धन सपकाल बोले- यह मैच फिक्सिंग, होनी चाहिए नार्को टेस्ट

नागपुर.

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव परिणाम आये आठ महीने से ज्यादा का समय हो गया है, लेकिन अभी तक विपक्षी चुनाव परिणाम को स्वीकार करने को तैयार नहीं है। राहुल गांधी के लेख के बाद कांग्रेस एक बार फिर मुद्दे को लेकर आक्रामक है। वहीं सत्ता में बैठी महायुति उसे उसी लहजे में जवाब दे रही है। इसी बीच महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने अतिरिक्त चुनाव आयुक्त किरण कुलकर्णी को वोटों की हेरफेर करने

मामले में मास्टरमाइंड बताया है। सोमवार को नागपुर में पत्रकारों से बात करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि, शाम 6 बजे के बाद 74 लाख वोट कैसे बढ़ गए? यह एक खुला रहस्य है। नतीजों को मैच फिक्सिंग बताते हुए सपकाल ने कहा कि, "कुलकर्णी का नार्को टेस्ट किया जाना चाहिए।"

सपकाल ने कहा, "कुलकर्णी वोटों की हेराफेरी के पीछे मास्टरमाइंड हैं। शाम 6 बजे के बाद 74 लाख वोट कैसे बढ़ गए? यह एक खुला रहस्य है। इसलिए, जब से किरण कुलकर्णी काम कर रहे हैं, वोटों पर उनका नार्को टेस्ट लगाया गया है, यह मैच फिक्सिंग है, यह वोट चोरी है, यह बाद में स्पष्ट होगा।" उन्होंने आगे कहा, "इससे पहले चुनाव आयोग को लिखित शिकायत की गई है। यह स्पष्ट है कि चुनाव आयोग अमित शाह के निर्देशानुसार काम कर रहा है। देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री बनने से पहले, कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल सबूत लेकर चुनाव आयोग गया था। शाम 5 बजे के बाद 8.74% वोट कैसे बढ़ गए। उस समय हमने शिकायत की थी। राहुल गांधी ने भी संसद में मांग की थी कि राजनीति को अलग रखें और लोकतंत्र को बचाने के लिए जांच के लिए सबूत दें।" सपकाल ने आगे कहा, "हमने मांग की तो चुनाव आयोग ने नियम बदल दिए। इसलिए, चुनाव आयोग की भूमिका संदिग्ध है।

नागपुर के ट्रैफिक सिग्नल अब मराठी बोलेंगे
सड़कों पर सांस्कृतिक बदलाव

नागपुर.

रोजमर्रा की जिंदगी में मराठी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एक प्रतीकात्मक लेकिन महत्वपूर्ण कदम के तहत, नागपुर यातायात पुलिस ने शहर भर के प्रमुख चौराहों पर यातायात संकेतों को मराठी में निर्देश प्रदर्शित करने के लिए पुनः प्रोग्राम किया है।

सिग्नल पर प्रतीक्षा करने वाले मोटर चालकों का स्वागत अब अंग्रेजी संकेतों की जगह 'थांबा' (स्टॉप) और 'जा' (गो) शब्दों से होगा। उल्टी गिनती करने वाले टाइमर भी मराठी अंक प्रदर्शित करते हैं, जो शहर की सड़कों पर सांस्कृतिक बदलाव को दर्शाते हैं।

यह कदम अक्टूबर 2024 में केंद्र द्वारा मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिए जाने के मद्देनजर उठाया गया है - भाषा कार्यकर्ताओं की यह लंबे समय से चली आ रही मांग है। तब से, महाराष्ट्र सरकार ने आधिकारिक और सार्वजनिक क्षेत्रों में मराठी की उपस्थिति को सुनिश्चित करने के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं।

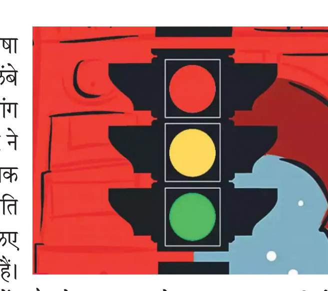

सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों और केंद्र सरकार के कार्यालयों में इसके उपयोग को अनिवार्य करने से लेकर विभागों में मराठी साइनेज और संचार को प्रोत्साहित करने तक, अभियान लगातार गति पकड़ रहा है। ट्रैफिक पुलिस की पहल पहली नज़र में छोटी लग सकती है, लेकिन यह नागरिकों के दैनिक जीवन में भाषा को शामिल करने के लिए एक गहन प्रयास का प्रतिनिधित्व करती है। अधिकारियों का कहना है कि मराठी सिग्नल में बदलाव का उद्देश्य भाषाई गौरव को मजबूत करना और शहरी सार्वजनिक स्थानों पर भाषा को अधिक दृश्यमान बनाना है।

परियोजना से जुड़े एक वरिष्ठ यातायात अधिकारी ने कहा, "यह सिर्फ़ यातायात संकेतों के बारे में नहीं है। यह मराठी को वह प्रमुखता देने के बारे में है जिसकी वह हकदार है।" जैसे-जैसे यह पहल नागपुर में व्यापक रूप से लागू हो रही है, भाषा प्रेमी और सांस्कृतिक समर्थक इसे महाराष्ट्र की समृद्ध भाषाई विरासत को संरक्षित करने और उसका जश्न मनाने की दिशा में एक छोटा लेकिन सार्थक कदम बता रहे हैं - एक-एक संकेत।

मंदिर से लेकर श्मशान तक सभी को समान अधिकार मिलना चाहिए: मोहन भागवत

नागपुर.

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार को स्वयंसेवकों से संवाद करते हुए कहा, "समाज को जातिगत भेदभाव छोड़कर समरस और समावेशी राष्ट्र की ओर बढ़ना चाहिए। संघ का काम व्यक्ति का विकास करना है। व्यक्ति के विकास से परिवार, समाज, राष्ट्र और पूरी मानवता के प्रति जिम्मेदारी का भाव जागृत होता है।"

मोहन भागवत ने स्वयंसेवकों से उनके क्षेत्र में चल रही शाखाओं और सेवा कार्यों के बारे में जानकारी ली। मोहन भागवत ने कहा, "जिस क्षेत्र में शाखा लगती है, वहां के हर परिवार से संघ का संपर्क होना चाहिए।" मोहन भागवत ने कहा, "हम कहते हैं 'वसुधैव कुटुंबकम' - दुनिया एक परिवार है, इसी भावना के साथ संघ ने अपने कार्य का विस्तार समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में किया है।"

सरसंघचालक ने कहा, "संघ कार्यकर्ताओं और समाज के सहयोग से देशभर में लाखों सेवा कार्य किए जा रहे हैं। जो समाज में सकारात्मक बदलाव का उदाहरण है। वर्तमान में संघ अपने शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर चुका है। पंच परिवर्तन के सिद्धांत पर काम करते हुए संघ समाज को जागरूक, जिम्मेदार और संवेदनशील बनाने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।"

जातिगत असमानता से मुक्ति पाएं : मोहन भागवत ने कहा, "ऐसा समाज होना चाहिए जो राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी को पहचाने। हमें पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली अपनानी चाहिए। जातिगत असमानता से मुक्ति पाएं। मंदिर, जलाशय और श्मशान जैसे सार्वजनिक संसाधनों के बारे में पूरी समझ होनी चाहिए। यही सच्ची सामाजिक समरसता है।"

नागपुर में ट्राफिक नियम तोड़ना पड़ेगा महंगा
> एआई सिस्टम से तुरंत कटेगा चालान

नागपुर. नागपुर में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों की अब खैर नहीं। शहर के ट्रैफिक सिग्नल्स पर अब लगाए जा रहे हैं। एआई टेक्नोलॉजी से लैस इंटिग्रेटेड इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम जो नियम तोड़ते ही तुरंत चालान काटेगा और सीधा आपके मोबाइल पर भेजेगा। शहर के लक्ष्मी नगर, बजाज नगर, शंकर नगर, अजित बेकरी, अलंकार चौक, कांचीपुरा चौक, दीक्षाभूमी, श्रद्धानंद चौक, अभय नगर चौक और एलएडी कॉलेज चौक इन इलाकों में अब ट्राफिक नियम तोड़ना आसान नहीं होगा। एआई से लैस ये स्मार्ट सिस्टम नियम उल्लंघन करने वालों की पहचान करेगा और बिना किसी मानवी हस्तक्षेप के इंस्टंट चालान जारी करेगा। सिग्नल जंप करना, गलत साइड चलाना, ओवरस्पीडिंग या बिना सीट बेल्ट के गाड़ी चलाना, अब हर उल्लंघन पर तुरंत कार्रवाई होगी। वाहन की नंबर प्लेट की पहचान कर सिस्टम खुद ही चालान जनरेट करेगा और मोबाइल पर भेजेगा।

इस टेक्नॉलॉजी का एक और बड़ा फायदा है। ग्रीन कॉरिडॉर मैनेजमेंट, अंग प्रत्यारोपण जैसे जरूरी मामलों में यह सिस्टम अपने आप रूट क्लियर करेगा। तो अब अगर आप नागपुर की सड़कों पर ट्रैफिक नियमों को हल्के में लेते हैं, तो संभल जाइए। आइए अब हर पल आप पर नजर रख रहा है।

मध्य रेलवे के नागपुर डिवीजन में 2 साल में 60 करोड़ के टिकट रद्द

नागपुर.

आधुनिकीकरण और यात्री-अनुकूल बुनियादी ढांचे के बड़े-बड़े दावों के बावजूद, मध्य रेलवे के नागपुर डिवीजन को बाधित ट्रेन सेवाओं को लेकर बढ़ती आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, लगातार देरी, रद्दीकरण और मार्ग परिवर्तन से परेशान यात्रियों ने पिछले 25 महीनों में लगभग 60 करोड़ रुपये के टिकट रद्द कर दिए हैं।

भारतीय रेलवे अपनी 'अमृत भारत स्टेशन योजना' को आक्रामक तरीके से आगे बढ़ा रहा है - जो आधुनिक सुविधाओं से लैस विश्वस्तरीय स्टेशन बनाने का वादा करता है - लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां करती है। तीसरी और चौथी रेलवे लाइनों, नए पुलों, सुरंगों, उन्नत सिग्नलिंग प्रणालियों और स्टेशनों के नए स्वरूपों के व्यापक निर्माण के परिणामस्वरूप परिचालन में अव्यवस्था पैदा हो गई है, जिससे ट्रेनों का शेड्यूल अविश्वसनीय होता जा रहा है।

बेहतर रोशनी, विशाल पार्किंग, आधुनिक प्रतीक्षा क्षेत्र और डिजिटल टिकटिंग मशीनों के साथ यात्री अनुभव को बेहतर बनाने की योजनाओं के बावजूद, कई यात्री खुद को फंसे हुए पाते हैं, अक्सर रद्दीकरण या देरी के बारे में बहुत कम या कोई पूर्व सूचना नहीं दी जाती है। यहां तक कि कन्फर्म टिकट धारक भी आखिरी समय में परेशान हो जाते हैं - अनिश्चितता के कारण यात्रा रद्द करने के लिए मजबूर होते हैं, या यात्रा के वैकल्पिक साधनों का खर्च उठाने में असमर्थ होते हैं।

3 वर्ष से अटके 903 प्रोजेक्ट रद्द
नागपुर के 3, भिवापुर के 2, हिंगना का 1, विदर्भ के 253 प्रकल्प रद्द

नागपुर.

सिंचाई अनुशेष (बैकलॉग) को लेकर विधानमंडल के नागपुर सत्र में हमेशा विवाद गर्माता रहा है। सिंचाई प्रकल्पों को सरकार से निधि नहीं मिलना और उसका समय पर पूरा नहीं होना अनुशेष का बड़ा कारण रहा है। सिंचाई सुविधा नहीं होने से विदर्भ में किसान आत्महत्या भी बड़ा मुद्दा बना है। सिंचाई अनुशेष में पिछड़ा कहे जाने वाले विदर्भ को सरकार ने एक और झटका दिया है। 3 साल से ज्यादा समय से जो प्रकल्प आगे नहीं बढ़ पाए हैं या किसी कारण से अटके हैं, ऐसे 903 सिंचाई प्रकल्पों को सरकार ने रद्द कर दिया है। इन प्रकल्पों की लागत 197 करोड़ 23 लाख रुपए थी। इन प्रकल्पों में विदर्भ के 253 प्रकल्प हैं।

रद्द किए गए प्रकल्पों में सर्वाधिक चंद्रपुर और वर्धा जिले के हैं। नागपुर जिले में भिवापुर के 2 और हिंगना का एक प्रकल्प शामिल है। इन प्रकल्पों के रद्द होने से स्थानीय स्तर पर जो सिंचाई क्षमता निर्माण होना था, वह नहीं हो पाई है। इस कारण सिंचाई का अनुशेष और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि यह सभी योजनाएं छोटी-छोटी हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर किसानों के लिए महत्वपूर्ण और जीवनदायी साबित हो सकती हैं।

इस संबंध में सरकार ने 5 जून को एक शासकीय परिपत्रक जारी किया है। परिपत्रक में बताया गया कि जलसंधारण विभाग अंतर्गत लघु सिंचाई योजना, कोल्हापुरी सिंचाई बांध, पाझर तालाब आदि की मंजूरी प्रदान की जाती है। इसके अलावा दुरुस्ती योजना को भी प्रशासकीय मान्यता दी जाती है, किन्तु उक्त योजना में से कुछ 3 वर्ष से अधिक समय के लिए मुख्यतः प्रलंबित भूसंपादन, स्थानीय लोगों का विरोध, ठेकेदारों का असहकार्य और निधि के अभाव के कारण योजना का काम शुरू नहीं हो पाता है। ऐसे बंद व रूके हुए प्रकल्पों के कारण संबंधित लेखाशीर्ष में दायित्व बढ़ा हुआ दिखता है। यही कारण है कि नये कामों को प्रशासकीय मान्यता देने की गति कम होती है।

अनेक जगह किसान सिंचाई से वंचित रहते हैं। जनप्रतिनिधियों की मांग पूरा करना संभव नहीं हो पाता है। इसे ध्यान में रखकर 3 वर्ष से ज्यादा समय से बंद योजनाओं की प्रशासकीय मान्यता रद्द करने का निर्णय लिया गया है।

विफलता को 4 स्टेप्स में समझें

- **विडंबना :** सरकार विविध कारण गिना रही है, लेकिन सूत्र प्रशासकीय विफलता मानते हैं। सूत्रों का कहना है कि सरकार से अनेक प्रकल्पों को प्रशासकीय मान्यता मिलने के बाद कई महीनों तक प्रक्रिया आगे ही नहीं बढ़ती है।
- **औपचारिकता :** योजना स्थल का दौरा तक नहीं किया जाता है। किसी तरह मुहूर्त निकलता है और निरीक्षण किया जाता है। फिर इसकी रिपोर्ट तैयार कर विभाग को सौंपी जाती है। औपचारिकता में साल-दो साल निकल जाते हैं।
- **लापरवाही :** किसी तरह प्रक्रिया आगे बढ़ती है तो तकनीकी दिक्कतें सहित लोगों का विरोध भी झेलना पड़ता है। प्रशासन कई दिनों तक हाथ पर हाथ धरे बैठा रहता है। इन सबकी वजह से काम को गति नहीं मिल पाती है।
- **असर :** खामियाजा, स्थानीय किसानों को भुगतना पड़ता है। सिंचाई क्षमता बढ़ नहीं पाती है और अंततः सरकार अतिरिक्त दायित्व दिखाकर इन्हें रद्द कर देती है।

रिटायर्ड पीएसआई की कार से दिनदहाड़े 5.50 लाख की चोरी, तलाश में जुटी पुलिस

नागपुर.

शहर के नंदनवन थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब बाइक सवार दो अज्ञात आरोपियों ने एक रिटायर्ड पुलिस अधिकारी की कार से 5.50 लाख रुपये उड़ा लिए। यह घटना वर्धमान नगर स्थित एसबीआई बैंक से पैसे निकालकर लौट रहे देवेंद्र गणवीर (58) के साथ हुई। जानकारी के अनुसार, देवेंद्र गणवीर पुलिस विभाग से पीएसआई के पद से सेवानिवृत्त हैं। वह अपने बेटे के साथ कार क्र. एमएच-49/सीडी-2369 से वर्धमान नगर स्थित एसबीआई बैंक से पैसे निकालकर लौट रहे थे। ट्रेंड्स शोरूम के पास अचानक दो बाइक सवार युवकों ने उन्हें बताया कि उनकी कार का टायर पंक्चर हो गया है। जैसे ही गणवीर का बेटा गाड़ी रोककर पंक्चर की दुकान देखने गया, वैसे ही एक अज्ञात युवक पीछे से कार का दरवाजा खोलकर पैसों से भरी थैली लेकर फरार हो गया। दूसरा युवक पहले से बाइक पर तैयार था, दोनों मिलकर चंद सेकेंडों में मौके से फरार हो गए। इस बैग में करीब साढ़े 5 लाख रूपयों की नकदी थी। चोरी का पता चलने पर गणवीर ने तुरंत नंदनवन थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस क्षेत्र के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके।

84 पुराने पेड़ों का किया प्रत्यारोपण
पर्यावरण संरक्षण पर नजर, नगर निगम का अभिनव उद्देश्य

नागपुर.

पर्यावरण संरक्षण एवं हरित नागपुर की दिशा में नागपुर महानगरपालिका द्वारा एक उल्लेखनीय कदम उठाया गया है। सोमवार (दिनांक 9) को महानगरपालिका ने 'ट्राई ट्रांसप्लांटर मशीन' की मदद से 84 साल पुराने हेरिटेज पेड़ को कृत्रिम रूप से प्रत्यारोपित किया। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से यह अभिनव प्रयोग बहुत महत्वपूर्ण है।

नगर निगम के उद्यान एवं कर्मशाला विभाग ने भविष्य में शीतला माता मंदिर के किनारे भांडेप्लॉट में इस मशीन की सहायता से निधि कार्यालय के किनारे पीपल के पेड़ का सहज प्रयोग किया । इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त एवं निर्देश डॉ. अभिजीत चौधरी, अतिरिक्त आयुक्त श्रीमती वैष्णवी बी. तथा उप आयुक्त (उद्यान) श्री गणेश आबंटन उपस्थित थे। इस मशीन की खरीद के लिए जिला योजना निधि से 5 करोड़ 47 लाख रुपये का भुगतान किया गया है। नगर निगम द्वारा इस मशीन को क्षेत्रीय परिवहन विभाग से वाहन क्रमांक भी प्राप्त किया गया है। भांडे प्लॉट चौक पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा एक एस्ट्रोवेटर

का निर्माण किया जा रहा है। इस रोड पर मुखर्जी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के पास 84 साल पुराना एक बड़ा पीपल का पेड़ ट्रैफिक में बाधा डाल रहा था। 30 फुट प्रतिभावान इस पेड़ को 'ट्राई ट्रांसप्लांटर' मशीन की मदद से जमीन से दूसरी जगह स्थापित किया गया। ऐसे समय में पेड़ की नस्ल और तने को नुकसान पहुंचाए बिना इसे दूसरी जगह ले जाया गया। डकोटा कंपनी की यह मशीन महाराष्ट्र की दूसरी मशीन है। ठाणे नगर निगम के पास भी है यह मशीन। इस मशीन का काम मशीनरी से किया जाता है। सबसे पहले पेड़ के पास से एक बड़ा जुगाड़ किया गया। फिर इस मशीन की मदद से पेड़ को दूसरी जगह लगाया गया। इस मशीन में 1600 लीटर का पानी भी है। जो पेड़ हटाने और लगाने के दौरान पानी स्टाइक ट्री के अवशेषों को सींचती रहती है, इस अवसर पर नेहरू नगर जोन के सहायक आयुक्त सोनम देशमुख , कार्यकारी अभियंता राजेश गुरमुले , जया लांजे , उद्यान अधीक्षक अमोल चुरपागर और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

CMYK

चौदामैल फ्लायओवर निर्माण में देरी से बढ़ा ट्रैफिक जाम

नागरिकों का फूटा गुस्सा

वाडी.

नागपुर-अमरावती राष्ट्रीय महामार्ग पर स्थित गोंडखैरी के समीप चौदामैल टी-पॉइंट पर बन रहे उडानपुल (फ्लायओवर) के निर्माण में हो रही देरी के चलते ट्रैफिक जाम की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। यह स्थान नागपुर-अमरावती और गोंडखैरी-सावनेर जैसे दो प्रमुख मार्गों के संगम पर स्थित है, जहां हर दिन भारी मात्रा में वाहनों की आवाजाही होती है।

धीमी रफ्तार से चल रहा कार्य, जनता परेशान : निर्माण कार्य झेंडू कंस्ट्रक्शन प्रा. लि. द्वारा किया जा रहा है, लेकिन काम की गति बेहद धीमी होने से नागरिक, वाहनचालक व कामगारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह क्षेत्र पहले से ही दुर्घटना संभावित माना जाता है। लंबे समय से यहां पुल निर्माण की मांग की जा रही थी, जिसे केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की पहल पर मंजूरी तो मिली, लेकिन 1.4 किलोमीटर लंबे इस पुल का काम अब भी अधूरा पड़ा है।

सिर्फ एक सर्विस रोड पर पूरी ट्रैफिक का बोझ : पुल निर्माण के चलते मुख्य मार्ग को बंद कर दिया गया है, जिससे समूचा ट्रैफिक एकमात्र संकीर्ण सर्विस रोड पर चल रहा है। नतीजतन, एम्बुलेंस जैसी आपातकालीन सेवाएं तक जाम में फँस जाती हैं।

वहीं, आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों में काम करने वाले मज़दूरों को जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ रहा है।

बरसात करीब, पर पुल अधूरा : हालांकि नाले का कार्य पूरा कर लिया गया है, लेकिन चार-लेन उडानपुल का निर्माण अब भी अधर में है। विदर्भ के अन्य हिस्सों में झेंडू कंस्ट्रक्शन कंपनी के अधीन कई प्रोजेक्ट हैं, लेकिन चौदामैल जैसे संवेदनशील स्थान को प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। इससे स्थानीय नागरिकों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

स्थानीयों की मांग – कार्य में लाई जाए तेजी : चौदामैल क्षेत्र में पेट्रोल पंप, गोदाम, वेअरहाउस और कई औद्योगिक प्रतिष्ठान स्थित हैं, जिससे ट्रैफिक पहले से ही अधिक रहता है। ऊपर से कुछ लोग सर्विस रोड पर वाहन खड़ा कर देते हैं, जिससे स्थिति और बिगड़ जाती है। नागरिकों, व्यापारियों व वाहनचालकों ने निर्माण कार्य में तेजी लाने और मार्ग शीघ्र खुलवाने की पुरजोर मांग की है। स्थानीय प्रशासन और निर्माण कंपनी से जनता को उम्मीद है कि जल्द ही इस समस्या का समाधान होगा और क्षेत्रवासियों को राहत मिलेगी।

सावनेर पुलिस ने लौटाए खोए हुए 20 मोबाइल, लोगों के चेहरे पर लौटी मुस्कान

सावनेर.

सावनेर पुलिस ने तकनीकी मदद से मोबाइल चोरी और गुमशुदगी के मामलों में बड़ी सफलता हासिल की है। वर्ष 2024 से 2025 के बीच सावनेर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत गुम हुए 20 कीमती मोबाइल फोन बरामद कर उन्हें उनके असली मालिकों को सौंपा गया।

इन मोबाइलों में वीवो, रियलमी, सैमसंग, ओप्पो, रेडमी और टेक्नो जैसी प्रमुख कंपनियों के फोन शामिल हैं। उपविभागीय पुलिस अधिकारी अनिल म्हस्के और सावनेर थाना प्रभारी उमेश पाटिल ने इन फोन को संबंधित नागरिकों को स्वयं सौंपा। जिन लोगों को उनके मोबाइल वापस मिले उनमें इसापुर, सावनेर, भौयाजी सावंगी, पाटन सवांगी, हेती सुरला और मध्यप्रदेश के सौसर क्षेत्र के निवासी शामिल हैं।

मोबाइल पाने वाले हर व्यक्ति के चेहरे पर राहत और खुशी के भाव स्पष्ट नजर आए। इस कार्य के लिए नागरिकों ने सावनेर पुलिस स्टेशन, उपविभागीय पुलिस अधिकारी अनिल म्हस्के, थाना प्रभारी उमेश पाटिल और स्थानीय अपराध शाखा की टीम के प्रयासों की जमकर सराहना की है। यह कदम पुलिस और नागरिकों के बीच विश्वास को और मजबूत करता है।

पुलिस द्वारा की गई इस पहल से यह संदेश भी गया कि गुमशुदा या चोरी हुए मोबाइल की शिकायत दर्ज कराने पर उन्हें ढूंढा जा सकता है।

भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर कोंढाली व आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धांजलि अर्पित

जल-जंगल-जमीन के रक्षक को शत-शत नमन, महाराष्ट्र में सरकारी छुट्टी की मांग तेज

कोंढाली.

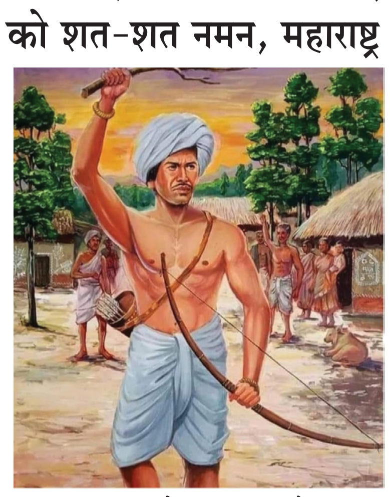

9 जून को जननायक भगवान बिरसा मुंडा की 125वीं पुण्यतिथि के अवसर पर कोंढाली और आसपास के आदिवासी बहुल ग्रामीण क्षेत्रों—बिहालगोंदी, धुरखेड़ा, खापा, घुबड़ी सहित अनेक गांवों में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन आयोजनों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने शामिल होकर बिरसा मुंडा को शत-शत नमन किया।

पूर्व जिला परिषद सदस्य रामदास मरकाम ने बिहालगोंदी में अपने वक्तव्य में कहा कि बिरसा मुंडा भारत के महान क्रांतिकारी और आदिवासी समाज के रक्षक थे। उन्होंने 25 वर्ष की अल्पायु में ही अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध जबरदस्त विद्रोह कर आदिवासी अधिकारों की रक्षा की। उनके नेतृत्व में ही छोटा नागपुर टेनेन्सी एक्ट लागू हुआ, जिससे आदिवासी भूमि की रक्षा सुनिश्चित हुई।

पूर्व पंचायत समिति सदस्य अरुण ऊईके ने जानकारी देते हुए बताया कि बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को मुंडा जनजाति में हुआ था। शिक्षा के दौरान जब उन्हें ईसाई धर्म में बदलने का प्रयास किया गया, तब उन्होंने न केवल स्कूल छोड़ा बल्कि धर्मांतरण का विरोध कर ईसाई धर्म भी त्याग दिया। उनके इस साहसिक निर्णय और संघर्ष के कारण ही वे "भगवान" के रूप में पूजे जाते हैं।

धुरखेड़ा ग्राम पंचायत के उपसरपंच पवन पेंधाम ने बताया कि मध्य प्रदेश ऐसा पहला राज्य है जहां बिरसा मुंडा की जयंती (15 नवंबर) और पुण्यतिथि (9 जून) दोनों पर शासकीय अवकाश घोषित हैं। इसी तर्ज पर महाराष्ट्र सरकार से भी मांग की जा रही है कि वह भगवान बिरसा मुंडा की जयंती अथवा पुण्यतिथि पर शासकीय, अर्धशासकीय, निजी तथा शैक्षणिक संस्थानों में अवकाश घोषित करे। इस मांग का समर्थन पूर्व जिला परिषद सदस्य रामदास मरकाम, पूर्व पंचायत समिति सदस्य अरुण ऊईके, उपसरपंच पवन पेंधाम, ज्योत्सना मरकाम, सरपंच शिला ताई कौरती (घुबड़ी), देवेंद्र मरस्कोल्हे (नांदोरा-खापा), बब्लु उईके, मीनाताई कातलाम (खुर्सापार), कोंढाली के पूर्व सरपंच केशवराव धुर्वे, हरिदास मडावी, राजू सलामे, गणेश धुर्वे सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने किया है। सभी वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि भगवान बिरसा मुंडा न केवल आदिवासियों के गौरव हैं, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के ऐसे नायक हैं जिनका सम्मान पूरे देश को करना चाहिए।

जननायक बिरसा मुंडा की 125वीं पुण्यतिथि वाड़ी में श्रद्धापूर्वक मनाई गई

वाड़ी.

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) वाडी शहर की ओर से जननायक क्रांतिवीर बिरसा मुंडा की 125वीं पुण्यतिथि का आयोजन श्रद्धाभाव से किया गया। यह कार्यक्रम सोनबा नगर, लावा में आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में बसपा पदाधिकारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत में लावा ग्रामपंचायत सदस्य शारदा मरस्कोले और आदिवासी भाईचारा अध्यक्ष कैलास मसराम ने बिरसा मुंडा की प्रतिमा का पूजन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद बसपा के मीडिया प्रभारी उत्तम शेवडे ने माल्यार्पण कर बिरसा मुंडा के संघर्षों को नमन किया।

वक्ताओं ने अपने उद्बोधनों में कहा कि बिरसा मुंडा ने जल, जंगल और जमीन के अधिकारों के लिए आदिवासी समाज को संगठित कर अंग्रेजों और जमींदारों के खिलाफ क्रांति की मशाल जलाई थी। मात्र 25 वर्ष की आयु में उन्होंने शहादत दी, लेकिन उनका बलिदान आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत बना हुआ है।

विधानसभा प्रभारी सुधाकर सोनपीपले ने कहा कि आज भी आदिवासी समाज को उनके मूल अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। नक्सलवाद के नाम पर उनकी हत्याएं की जा रही हैं, और उनकी बेटियों पर अत्याचार हो रहा है। उन्होंने बसपा के नीले झंडे के तले एकजुट होकर अन्याय के खिलाफ संघर्ष का आह्वान किया। कार्यक्रम की प्रस्तावना बसपा नागपुर प्रभारी राजकुमार बोरकर ने की, और अंत में वाडी शहर अध्यक्ष नितेश झटाले ने उपस्थित जनों का आभार प्रकट किया।

इस अवसर पर चंद्रशेखर कांबले, अभिलाष वाहने, वीरेंद्र कापसे, सुशील डोंगरे, अंकित थुल, सुभाष सुखदेवे, नरेंद्र मेंढे, किशोर इंगले, सुरेखा खंडाते, माधुरी गोंडागे, दुर्गा भलावी, गीता धुर्वे, कुणाल मेश्राम, आयुष खंडारे, मंगेश नागदेवे और अरमान तिडके प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

352वां शिवराज्याभिषेक दिवस वाड़ी में उत्साहपूर्वक संपन्न

छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्शों पर प्रेरणादायी व्याख्यान विद्यार्थियों का सम्मान और शिवपूजन से भरा रहा आयोजन

वाड़ी.

हिंदू साम्राज्य दिन उत्सव समिति, वाडी के तत्वावधान में ज्येष्ठ शुद्ध त्रयोदशी के अवसर पर 352वां शिवराज्याभिषेक दिवस 8 और 9 जून 2025 को शिवतीर्थ, छत्रपति शिवाजी महाराज स्मारक परिसर, वाडी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के पहले दिन 25 होनहार विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र व पुस्तकों द्वारा सम्मानित किया गया। इसके पश्चात प्रमुख वक्ता लक्ष्मीकांत कारींगवार ने "शिवरायों के आदर्श और वर्तमान में उनका महत्व" विषय पर प्रेरणादायी व्याख्यान प्रस्तुत कर युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना का संचार किया। 9 जून को मंत्रोच्चार के साथ छत्रपति शिवाजी महाराज का जलाभिषेक व दुग्धाभिषेक किया गया। इसके साथ शिवस्तुती और आरती का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में शिवभक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 8 जून के कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में धरमपेठ शिक्षण संस्था के उपाध्यक्ष तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, उमरेड के जिला संघचालक माननीय दीपक दुधाने उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वाडी नगर संघचालक दिनेश मंत्री ने की। इस अवसर पर आनंद बाबू कदम, दामोदर जोध, प्रवीण शिंदे सहित कई गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन विशाल जोध ने किया। आयोजन समिति के निशांत झाडे, प्रशांत दाभेकर, शिवम राजे, गौरव उगले, प्रज्वल अतकरी, आयुष बोबडे, यश अंबर्ते, विकास जायभाये तथा सभी शिवभक्तों के अथक प्रयासों से यह आयोजन भव्य रूप में सफल हुआ।

भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर मुलक ने की श्रद्धांजलि अर्पित

रामटेक.

शौर्य और प्रेरणा के प्रतीक भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि के अवसर पर रामटेक और देवलापार स्थित कार्यालयों में पूर्व मंत्री राजेंद्र मुळक ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान पूर्व जिला परिषद सदस्य शांता कुमरे सहित कांग्रेस के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाले भगवान बिरसा मुंडा को याद करते हुए मुलक ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर नमन किया। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा के विचारों ने समाज के कई लोगों को अपने अधिकारों के लिए लड़ने की प्रेरणा दी है।

इस अवसर पर उनके बलिदान और समाज के प्रति उनके योगदान के लिए कृतज्ञता व्यक्त की गई। कार्यक्रम में आदिवासी समाज के लोगों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष रूप से भावपूर्ण बना दिया।

कापसे ने की खैरी ग्रापं में दुर्दशा पर समाधान की मांग

कामठी.

आदर्श खैरी गांव 2017 से 2023 तक अपनी एक पहचान रखता था, लेकिन उसके बाद नियमों की अनदेखी के कारण इसकी दुर्दशा हो गई है। उपरोक्त वक्तव्य आरोप लगाते हुए पूर्व सरपंच बंडू कापसे, ने 2020 में एक कंपनी से ई-रिक्शा की मांग की थी। इसका मुख्य उद्देश्य था कि कामठी-जबलपुर रोड से एक किलोमीटर दूर स्थित इस गांव के वृद्ध नागरिक और स्कूली बच्चे मुफ्त में आ-जा सकें। साथ ही, गांव के गरीब युवाओं को भी रोजगार मिल सके। हालांकि, एक युवक की तबियत खराब होने के कारण पिछले एक महीने से यह ई-रिक्शा बंद पड़ा है। ग्राम पंचायत में छह से सात कर्मचारी होने के बावजूद रिक्शा बंद क्यों है, यह गाँव के कई नागरिक पूछ रहे हैं। इसके अलावा, दिन में भी ग्राम पंचायत की लाइटें चालू रहती हैं, जिससे बिजली की बर्बादी होती है। बस स्टॉप पर एक पुलिस चौकी बनाने के लिए जगह तैयार की गई थी, लेकिन वहाँ एक पान की दुकान लगा दी गई है। इस कारण स्कूली बच्चे और लड़कियाँ वहाँ खड़े नहीं हो सकते। उन्होंने यह भी कहा कि रविवार को छुट्टी पर रहते हुए भी नागरिकों को परेशानी न हो, इसलिए उन्होंने स्वयं रिक्शा चलाया था। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत में छह-सात कर्मचारी होने के बावजूद यह रिक्शा बंद क्यों है? उन्होंने ग्राम पंचायत से यह भी मांग की है कि जिन जगहों पर नागरिकों को परेशानी हो रही है, वहाँ से अतिक्रमण हटाया जाए। अन्यथा, गांव के नागरिक तहसील कार्यालय या पंचायत समिति कामठी में आंदोलन कर विरोध प्रदर्शन करने के लिए बाध्य रहेंगे।

कुख्यात सेंधमार महिलांगे सहित चार गिरफ्तार

चोरी की चार वारदातों का खुलासा

नागपुर.

नागपुर शहर में सेंधमारी के लिए कुख्यात चोर नरेश महिलांगे आखिरकार पुलिस के हाथ लग ही गया। क्राइम ब्रांच की सेंधमार विरोधी दस्ते और यूनिट-3 की टीम ने कार्रवाई करते हुए इस कुख्यात आरोपी सहित उसकी टोली के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से नगदी, गहने, मोबाइल फोन और वाहन सहित कुल 21 लाख 51 हजार रुपए से अधिक का सामान बरामद किया है।मौसम विभाग के अनुसार, बुलढाणा और वाशिम जिले को छोड़कर सभी जिलों में तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया गया है। नागपुर शहर में चोरी की गाड़ी में सेंधमारीरी की वारदातों को अंजाम देने के लिए नरेश महिलांगे आखिरकार नागपुर पुलिस के हाथ लग ही गया। गिरफ्तार किए गए । उसके साथ ही उसके साथी आम्रपाल उर्फ हनुमान पाटिल, महिला आरोपी सोनू शाहू और फरदीन याकूब खान को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने महाल, कपिलनगर, वाठोड़ा और सावनेर में चोरी की वारदातों अंजाम देने की कबूली दी है। इस टोली ने ही 31 मई को महाल इलाके में एक बंद मकान को निशाना बनाकर करीब 25 लाख रुपए के माल पर हाथ साफ किया था। यहां पर भी आरोपी एक चोरी की कार में पहुंचे थे। तकनीकी जांच और निगरानी के जरिए पुलिस ने इन चोरों तक पहुंच बनाई। दरअसल महाल में चोरी के दौरान पड़ोस मै रहने वाले एक लड़के ने चोरी के बाद कार में जाते हुए आरोपियों के वीडियो निकाल लिये थे यह वीडियो ही आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचाने में मददगार साबित हुये।

आगे की जांच शुरू कर दी

नरेश महिलांगे पर पहले भी चोरी सहित कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। फिलहाल सभी आरोपियों को कोतवाली पुलिस के सुपुर्द कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस की इस कार्रवाई ने जहाँ शहरवासियों को भरोसा दिया है वही पुलिस ने भी कुछ राहत की सांस जरूर ली है।

धोतीवाड़ा से जंगल सफारी शुरू करें

> सलिल देशमुख की वन मंत्री गणेश नाईक से मांग

काटोल/कोंढाली.

काटोल से सटे बोर अभयारण्य में बड़ा बफरझोन है। यदि धोतीवाड़ा से जंगल सफारी शुरू की जाए तो इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय लोगों को बड़ी मात्रा में रोजगार मिलेगा। यह मांग राष्ट्रवादी कांग्रेस शरद चंद्र पवार पार्टी के नेता सलिल देशमुख ने वन मंत्री गणेश नाईक से बोर अभयारण्य के लिए काटोल तालुका के धोतीवाड़ा से एक सफारी गेट खोलने का अनुरोध किया।

बोर अभयारण्य से बाघ, तेंदुए, हिरण, नीलगाय और भालू सहित कई जंगली जानवर है। यहां बड़ी संख्या में जंगली जानवर और पक्षी भी हैं। धोतीवाड़ा और उसके आसपास के लगभग 9 गांवों को बोर अभयारण्य के बफर क्षेत्र में शामिल किया गया है। यदि धोतीवाड़ा से वन सफारी शुरू की जाए तो इससे न केवल पर्यटन बढ़ेगा बल्कि स्थानीय लोगों को बड़े पैमाने पर रोजगार भी मिलेगा।इस विषय पर सलिल देशमुख ने वन मंत्री गणेश नाईक को भी आश्वस्त किया कि यदि यह सफारी गेट खोला जाता है तो इससे नागपुर, अमरावती, वर्धा, पांढुर्ना और मध्य प्रदेश के अन्य क्षेत्रों के वन्यजीव प्रेमियों को लाभ मिलेगा। इसके अलावा, नागपुर जिले में जंगली जानवरों द्वारा किए गए नुकसान से प्रभावित किसानों को पिछले दो वर्षों से मुआवजा नहीं मिला है। नागपुर जिले में नीलगाय, रोही, जंगली सूअर आदि जंगली जानवरों की बड़ी संख्या के कारण किसानों के खेतों में खड़ी फसलों को लगातार नुकसान हो रहा है। परिणामस्वरूप, पहले से ही आर्थिक संकट से जूझ रहे किसान और भी अधिक हताश हो गए हैं। इसी प्रकार, तेंदुए, जंगली सूअर और भेड़िये जैसे जंगली जानवर किसानों, खेत मजदूरों और पशुधन को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। इसलिए किसान सरकार से अपने नुकसान के लिए तत्काल मुआवजे की उम्मीद कर रहे हैं। लेकिन नागपुर जिले के किसानों को पिछले दो वर्षों से मुआवजा नहीं मिलने के कारण सलिल देशमुख ने मंत्री गणेश नाईक से अनुरोध किया कि किसानों को जल्द से जल्द मुआवजा दिया जाए।

नागपुर का अधिकतम तापमान 43 डिग्री दर्ज

नागपुर.

विदर्भ की धरती इन दिनों झुलस रही है। नागपुर में पारा 43 डिग्री सेल्सियस को छू गया है, जो औसतन तापमान से करीब 1.3 प्रतिशत अधिक है। इसी के साथ नागपुर पुरे विदर्भ में सबसे गर्म जिला साबित हुआ। लगातार बढ़ती गर्मी ने आम जनता का जीना मुश्किल कर दिया है। न सिर्फ नागपुर, बल्कि पूरा विदर्भ क्षेत्र भीषण गर्मी की चपेट में है, जहां सभी जिलों का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। विदर्भ के अन्य जिलों की बात करें अधिकतर जिलों का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के ऊपर बना हुआ है।

मौसम विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, अमरावती 41.6, चंद्रपुर 42, अकोला 41.2, यवतमाल 40.6, वर्धा 41.5, भंडारा 41.6, बुलढाणा 36.4, वाशिम 36.8, गडचिरोली 39.8 और गोंदिया 42.1 तापमान दर्ज किया गया।

पालकमंत्री बावनकुले की मौजूदगी में सवा लाखे युजा सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं का भाजपा में प्रवेश

रामटेक.

रामटेक के नगरधन स्थित दुर्गादेवी चौक में भाजपा में बड़ा पक्षप्रवेश और कार्यकर्ता मेलावा आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष, महसूल मंत्री एवं पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले मुख्य अतिथि थे।

कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस के दिग्गज नेता सुनील केदार के वरिष्ठ कार्यकर्ता और नगरधन जिला परिषद सर्किल के पूर्व सदस्य दुधराम सव्वालाखे ने भाजपा का दामन थामा। उनके साथ कई सरपंच, उपसरपंच, ग्राम पंचायत सदस्य और कांग्रेस के कई पदाधिकारी भी भाजपा में शामिल होकर पार्टी पर भरोसा जताया।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने नगरधन क्षेत्र के विकास के लिए विकास निधि कम न पड़ने का भरोसा दिलाया। पक्षप्रवेश एवं कार्यकर्ता मेलावे में मल्लिकार्जुन रेड्डी (पूर्व विधायक), सुधाकर कोहले (पूर्व विधायक), रामटेक भाजपा जिला अध्यक्ष आनंदराव राऊत, काटोल भाजपा जिला अध्यक्ष मनोहर कुंभारे, जिला महामंत्री उदयसिंह यादव, जिला महामंत्री रिंकेश चवरे, जिला उपाध्यक्ष संजय मुलमुले, पूर्व सभापती नरेंद्र बंधाटे, भाजपा जिला सचिव अनिल कोल्हे समेत अनेक पूर्व एवं वर्तमान पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। नगरधन शाखा अध्यक्ष संजय अजबैले सहित कई स्थानीय नेता भी कार्यक्रम में शामिल होकर भाजपा की ताकत बढ़ाई।

इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता एकजुट होकर आगामी चुनावों में मजबूत पकड़ बनाने का संकल्प लेकर पार्टी के विकास कार्यों को गति देने का संकल्प लिया।

किसानों की सोयाबीन 4,300 रुपये

जबकि कंपनी के बीज 11,000 रुपये; किसान परेशान

अमरावती.

इस समय बुवाई का सीजन है। इसके चलते किसानों की चिंता भी बढ़ गई है। उन्हें खरीफ सीजन की नकदी फसल सोयाबीन बेचकर नए सीजन का खर्च चलाना है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि किसानों द्वारा बड़ी मात्रा में उगाई गई सोयाबीन का दाम मात्र 4,300 रुपये मिल रहा है, जबकि उसी किस्म के बीज के लिए 10,000 रुपये चुकाने पड़ रहे हैं। मूल रूप से इस क्षेत्र के किसानों का आर्थिक गणित सोयाबीन पर आधारित है। लेकिन जब सोयाबीन की उपज निकलती है, तो किसानों को उसका दाम नहीं मिलता, यह एक आम समस्या है। इस समय सोयाबीन का बाजार भाव 4,300 रुपये प्रति क्विंटल है, जबकि 30 किलोग्राम सोयाबीन बीज के लिए उन्हें 3,300 रुपये चुकाने पड़ रहे हैं, यानी 11,000 रुपये प्रति क्विंटल (30 किलो के बैग के लिए 3,300 रुपये)। एक तरफ कृषि उपज के अच्छे दाम नहीं मिल रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ बीज, खाद और कीटनाशकों के दामों में भारी बढ़ोतरी हुई है। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति खराब हो गई है।

कीटनाशकों के दामों में भारी बढ़ोत्तरी

❍ एक तरफ कृषि उपज का दाम नहीं मिल रहा है, वहीं दूसरी तरफ बीज, खाद और कीटनाशकों के दामों में भारी बढ़ोत्तरी हुई है। इससे किसानों का आर्थिक गणित बिगड़ गया है। भारी बारिश के कारण 2024-25 के खरीफ और रबी दोनों सीजन बर्बाद हो गए। इस साल यानी 2025-26 में मौसम विभाग ने अच्छी बारिश की संभावना जताई है। इसलिए किसान नई उम्मीद के साथ खरीफ सीजन की तैयारी में जुट गए हैं।

भारी बारिश के कारण 2024-25 के खरीफ और रबी दोनों सीजन बर्बाद हो गए। इस साल यानी 2025-26 में मौसम विभाग ने अच्छी बारिश की संभावना जताई है। इसलिए किसान नई उम्मीद के साथ खरीफ सीजन की तैयारी में जुट गए हैं। किसानों के साथ-साथ कृषि सेवा केंद्र और खाद-बीज की आपूर्ति करने वाले दुकानदार भी तैयार हैं। बाजार में नए-नए बीज बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। इस साल सोयाबीन के भावों को देखें तो बीज के भावों में कुछ कमी आई है, लेकिन कंपनी के उत्पाद किसानों के उत्पाद से तीन गुना महंगे हैं। वर्तमान में सोयाबीन का भाव 4,300 रुपए प्रति क्विंटल है। जबकि कंपनी के बीज का भाव 11,000 रुपए प्रति क्विंटल है। सोयाबीन बीज के विभिन्न प्रकार के बैगों का भाव 2,400 रुपए से लेकर 3,300 रुपए तक है। बाजार में सोयाबीन के बीज 30 किलो के बैग में उपलब्ध हैं। मूल रूप से इस क्षेत्र के किसानों का आर्थिक गणित सोयाबीन पर आधारित है। लेकिन जब सोयाबीन की उपज निकलती है तो किसानों को उसका भाव नहीं मिलता, यह एक नियमित समस्या है। इस समय सोयाबीन का बाजार भाव 4300 रुपए प्रति क्विंटल है, जबकि 30 किलो सोयाबीन बीज 3,300 रुपए यानी 11,000 रुपए प्रति क्विंटल (3300 रुपए प्रति 30 किलो बैग) बिक रहा है।

किसानों के आंदोलन को मिली सफलता

12 साल बाद भेल की जमीन पर शुरू हुई खेती

भंडारा.

भंडारा जिले में लंबे समय से अपनी जमीन के लिए संघर्ष कर रहे किसानों को आखिरकार सफलता मिल ही गई। 12 साल के लंबे आंदोलन के बाद अब किसानों ने भेल की अधिग्रहित जमीन पर दोबारा खेती शुरू कर दी है। विधायक परिणय फुके ने खुद ट्रैक्टर चलकर खेती की शुरुआत की। यह संघर्ष किसानों की हिम्मत, एकता और जिद का प्रतीक बन गया है। भेल ने करीब एक दशक पहले इस जमीन को औद्योगिक परियोजना के लिए अधिग्रहित किया था, लेकिन परियोजना पर अमल नहीं हुआ। इस दौरान किसान लगातार मांग कर रहे थे कि जब तक परियोजना शुरू नहीं होती, उन्हें अपनी जमीन पर खेती करने दी जाए।

वर्षों तक धरना, प्रदर्शन और ज्ञापन सौंपने के बाद अब प्रशासन ने खेती की अनुमति दे दी है। आज 12 साल बाद विधायक परिणय फुके के नेतृत्व में भेल परियोजना का गेट खोलकर खेती शुरू कर दी गई है। परिणय फुके ने ट्रैक्टर पर बैठकर जमीन जोतकर धान की बुआई कर किसानों के लिए खेती का गेट खोल दिया। ग्रामीणों ने खुशी जाहिर की है।

कर्मयोगी तुकारामदादा गीताचार्य का सेवा कार्य प्रचारकों के लिए दीपस्तंभ के समान: बेलुरकर

वर्धा.

ग्रामगीता तत्वज्ञान के प्रचार में अपना समर्पित जीवन बिताने वाले कर्मयोगी संत तुकारामजी दादा गीताचार्य की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। दादा ने ग्राम विकास के पांच स्तंभों, ग्राम सभा के सशक्तिकरण, ग्रामोद्योग स्थापना, प्राकृतिक खेती, पशु प्रजनन सुधार, अंधविश्वासों का उन्मूलन और खादी वस्त्रों के प्रचार जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अखिल भारतीय श्री गुरुदेव सेवा मंडल के विद्वान प्रचारक माणिकदादा बेलुरकर ने कहा कि दादा का जीवन प्रचारकों के लिए दीपस्तंभ की तरह मार्गदर्शन करता रहेगा। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है जो सतत ग्राम विकास और समाज सुधार के कार्यों को आगे बढ़ाने का संदेश देता है।

संत तुकारामदादा गीताचार्य की पुण्यतिथि पर गुरुदेव सेवा मंडल, वरुड़ खुर्द एवं मुर्हादेवी संस्थान द्वारा प्रतिदिन श्री गुरुदेव प्रार्थना का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर सेवा मंडल के अध्यक्ष बालासाहेब बोंद्रे की अध्यक्षता में एक भव्य समारोह आयोजित किया गया। बालासाहेब बोंद्रे ने कहा कि दादा का मार्गदर्शन हमारे कार्यों की प्राणवायु है और हम जो भी करें, वह दादा के विचारों के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित है। कार्यक्रम में तबला वादक संकेत अंबाडकर, हारमोनियम वादक जय मानकर, जगदंबा संस्थान के सदस्य बालासाहेब बोंद्रे, समाजसेवी मनोहर धानोरकर समेत ग्राम के अनेक महिला-पुरुष उपस्थित थे। समारोह का संचालन ग्राम गीताचार्य गजानन बोंद्रे ने किया। सामुदायिक प्रार्थना के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ और राष्ट्रवंदना के द्वारा इसका समापन किया गया। पूरे गांव से बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर कर्मयोगी संत तुकारामदादा गीताचार्य की पुण्यतिथि पर उनकी शिक्षाओं को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

50 वर्षों से मौजूद सारंगगार में पानपक्षियों के घोंसलों की गणना और संरक्षण

हिंगनघाट.

शहर के तहसील कार्यालय, पंचायत समिति और जिला परिषद उप-अभियंता कार्यालय के आस-पास स्थित 36 पेड़ों पर पानपक्षियों के मिश्रित निवास यानी सारंगगार में रविवार, को घोंसलों की गिनती की गई। इस मौके पर निसर्गसाथी फाउंडेशन, नगर परिषद हिंगनघाट और महाराष्ट्र पक्षीमित्र वर्धा जिला शाखा के सदस्य मौजूद थे। सारंगगार का इतिहास लगभग पचास साल पुराना है। शुरू में यह केवल पंचायत समिति के प्रांगण में केवीट के पेड़ तक सीमित था।

लेकिन अब, केवीट के पेड़ गिरने के बाद, इस क्षेत्र में आम, खोटा अशोक, शीशम, करंजी, वड़, पिंपल, केशिया सेमिया, सप्तपर्णी, गुलमोहर और देसी बबूल सहित कुल 36 पेड़ों पर पक्षी घोंसला बना रहे हैं। यह स्थान पानपक्षियों के लिए स्वाभाविक प्रजनन स्थल माना जाता है, जहां वे हर वर्ष मई के पहले सप्ताह में वापस आकर घोंसला बनाना शुरू करते हैं। इस वर्ष की जनगणना रिपोर्ट के अनुसार, सारंगगार में कुल पांच प्रजातियों के पानपक्षियों के घोंसले पाए गए हैं। इनमें सबसे अधिक संख्या ब्लैक-क्राउन्ड नाइट हेरॉन (गाय बगला) की है, जिनके 810 घोंसले हैं। अन्य प्रजातियों में लिटिल इग्रेट (27), लिटिल कॉर्मोरेंट (9), इंडिया कॉर्मोरेंट (11), और ब्लैक-क्राउन्ड नाइट हेरॉन (58) शामिल हैं। इस महत्वपूर्ण गणना कार्य में निसर्गसाथी फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रवीण कडू, महाराष्ट्र पक्षीमित्र के राहुल वकारे, वन विभाग के पूर्व वनपाल अशोक भानसे, डॉ. संदीप मुडे, पंचशील थुल, प्रशांत भोयर, यशवंत शिवणकर और अंजोर कडू ने भाग लिया और घोंसलों की जनगणना अधिकारी के रूप में जिम्मेदारी निभाई। कार्यक्रम में पक्षियों के संरक्षण की अपील की गई और कहा गया कि सारंगगार का संरक्षण और सुरक्षा सभी की जिम्मेदारी है, जिससे यह प्राकृतिक वसाहत आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रह सके।

विश्व पर्यावरण दिवस पर किया पौधारोपण एवं खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

हिंगनघाट.

पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। इसी को ध्यान में रखते हुए विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्कूल ऑफ स्कॉलर्स, हिंगणघाट ने हनुमान मंदिर, रीठे कॉलोनी में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। इसके साथ ही बच्चों के लिए विविध खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अशोकजी मुखी (संस्थापक अध्यक्ष, रोटरी क्लब हिंगनघाट), समाजसेवी एवं राजस्थानी गौड़ ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष महेंद्र दीक्षित, पी.वी टेक्सटाइल के प्रबंधक भैया निखाड़े, तथा विकास विद्यालय कोरा के पूर्व प्राचार्य मारोतराव जोटिंग उपस्थित थे। सभी अतिथियों ने मंदिर परिसर में मिलकर पौधरोपण किया।

बच्चों के लिए आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में बाधा दौड़, हॉकी दौड़ और "कैचिंग द बॉल विद मॉम" शामिल थीं। बाधा दौड़ में अन्वी वधाई ने प्रथम, कनिका लोधी ने द्वितीय और सान्या देवड़े ने तृतीय स्थान हासिल किया। हॉकी दौड़ में प्रचित गांधारे पहले, मिहिर चंभारे दूसरे और परिधि गुडघाने तीसरे स्थान पर रहे। वहीं "कैचिंग द बॉल विद मॉम" प्रतियोगिता में कनिका लोधी प्रथम, पार्थ चिमुरकर द्वितीय और शौर्य चिकनकर तृतीय स्थान प्राप्त किए। विद्यालय की प्राचार्या माननीय शिल्पा चव्हाण ने अपने भाषण में कहा कि विश्व में किसी भी प्रगति को स्थायी बनाए रखने के लिए प्रकृति का संरक्षण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हमारा विद्यालय पर्यावरण शिक्षा के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

वहीं, संयुक्त प्रशासनिक अधिकारी प्रदीप जोशी ने वृक्षारोपण को सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी बताया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए शालेय शिक्षिका सौ. वैशाली पुनवटकर, सतेंद्र झोटिंग, महेश कुमार गंधारे, रवि गुरनुले, वंशिका हेमनानी, चेतना वानी, नीलू लोधी, महक पाखरानी, कल्याणी चांदेकर, सागर दुधबर्वे, दीपाली ठाकरे, आकाश जवादे, पूजा शेंडे एवं सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने अथक प्रयास किए। स्कूल ऑफ स्कॉलर्स, हिंगनघाट का यह आयोजन पर्यावरण संरक्षण के प्रति समुदाय में जागरूकता फैलाने और युवा पीढ़ी को प्रेरित करने का एक सफल प्रयास रहा।

पुलिस ने जब्त की 40 लाख की रेत

अलीपुर. अलीपुर थाना पुलिस ने 8 जून की रात्रि को कोसुरला गांव के पास अवैध रूप से रेत का परिवहन कर रहे दो टिप्परों को रोककर 40 लाख 30 हजार रुपये मूल्य की रेत जब्त की है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दो टिप्पर कात्री फाटा से कानगांव मार्ग की ओर रेत लेकर आ रहे हैं। इसके बाद पुलिस टीम ने नाकाबंदी कर दोनों टिप्परों को रोक लिया। तपास के दौरान टिप्पर क्रमांक एमएच 36 एफ 8799 और एमएच 27 एक्स 3896 से गौण खनिज बालू बरामद हुई। चालक गणेश नारायणराव आत्राम (47) और गुरुदेव मोतीराम देशमुख (48) के पास रेत का परिवहन करने का कोई वैध परमिट नहीं था, जिसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक अनुराग जैन, अपर पुलिस अधीक्षक सागर कवड़े तथा उपविभागीय पुलिस अधिकारी राहुल चव्हाण के मार्गदर्शन में थानेदार विजयकुमार घुले, अजय रीठे, निखिल वासेकर और विठ्ठल केंद्र की टीम ने की। पुलिस ने अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रखने का भी आश्वासन दिया है।

सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था आर्वी में शिवराज्याभिषेक दिवस मनाया

आर्वी.

महाराष्ट्र सरकार के कौशल विकास विभाग के निर्देशानुसार आर्वी स्थित सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में शुक्रवार, 6 जून को शिवराज्याभिषेक दिवस धूमधाम से मनाया गया।

इस अवसर पर सामाजिक जागरूकता के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें नागरिक कर्तव्य एवं शिष्टाचार, परिवार प्रबोधन, स्वदेशी विचारों का प्रचार-प्रसार, सामाजिक समरसता एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान और संगोष्ठियां आयोजित की गईं। इस कार्यक्रम का राज्यस्तरीय ऑनलाइन उद्घाटन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुबह 10 बजे किया तथा कार्यक्रम के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान किया। स्थानीय स्तर पर विधान परिषद के विधायक दादाराव केचे ने छत्रपती शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माला अर्पित कर पूजन किया।

इसके बाद उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरणादायक मार्गदर्शन दिया। डॉ. आर. व्ही. परणकर ने 'स्वदेशी विचारों का प्रचार-प्रसार' विषय पर अपने विचार साझा किए। संस्था की प्राचार्या श्रीमती स्मिता खोंडे ने 'नागरिक कर्तव्य एवं शिष्टाचार' पर चर्चा की, जबकि विनय देशपांडे ने परिवार प्रबोधन के महत्व को समझाया। कार्यक्रम का सफल संचालन व्ही. एन. ताकसांडे ने किया, वहीं प्राचार्य तुषार लोखंडे ने कार्यक्रम का परिचय देते हुए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में संस्था की प्रबंध समिति के पदाधिकारी, बड़ी संख्या में पूर्व विद्यार्थी, अभिभावक, पत्रकार, समाजसेवी एवं नागरिकगण उपस्थित थे, जिन्होंने इस आयोजन में बढ़चढ़कर भाग लिया और अपने विचार व्यक्त किए। इस प्रकार शिवराज्याभिषेक दिवस का यह कार्यक्रम न केवल युवाओं को प्रेरित करने वाला रहा, बल्कि सामाजिक चेतना एवं राष्ट्रप्रेम की भावना को भी प्रबल बनाने वाला साबित हुआ।

गोविंदपुर में किसानों ने पहली बार देखी ड्रोन से छिड़काव की आधुनिक तकनीक

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत कृषि कीर्तन से प्रकृति का आवाहन भी किया गया

समुद्रपुर.

केंद्रीय कृषि मंत्रालय और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा जिले में 29 मई से 12 जून तक चलाए जा रहे विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत गोविंदपुर गांव में पहली बार ड्रोन से छिड़काव की तकनीक का सफल प्रदर्शन किया गया। इस अनोखे कार्यक्रम में किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से अवगत कराया गया तथा कृषि कीर्तन के माध्यम से प्रकृति से बारिश की प्रार्थना भी की गई। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य खरीफ सीजन में किसानों को फसलों से जुड़ी नवीनतम तकनीकों की जानकारी देना है।

वैज्ञानिकों और कृषि अधिकारियों द्वारा किसानों से सीधे संवाद कर उनके सवालों का समाधान किया गया। किसानों को सरकारी योजनाओं, फसल चयन, संतुलित उर्वरक उपयोग और बीज प्रसंस्करण जैसे विषयों पर मार्गदर्शन दिया गया। आत्मा के राजेश चांदेवार और सुधीर हिवसे ने किसानों को खरीफ फसल प्रणाली एवं विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उप कृषि अधिकारी वर्षा देशभ्रतार, सचिन वाळके, मनोज गायधने समेत सहायक कृषि अधिकारियों ने भी किसानों को कृषि विभाग की योजनाओं से परिचित कराया। कार्यक्रम के दौरान गांव में आयोजित कृषि कीर्तन में फसलों की बेहतर वृद्धि और समुचित बारिश के लिए आह्वान किया गया।

किसानों ने बताया कि खरीफ मौसम में नई तकनीकों के इस्तेमाल से उनकी फसलों को लाभ होगा। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. अंकिता अंगाईतकर ने किया। सरपंच, उपसरपंच, ग्राम सेवक, पुलिस पाटिल एवं ग्रामीण कृषि अनुभव पहल के छात्र पवन, लक्ष्मीनारायण, कृणाल और अन्य ग्रामीणों ने भी इस आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई।

मराठा महासंघ की ओर से शिवराज्याभिषेक दिवस धूमधाम से संपन्न

वर्धा. महापुरुष छत्रपति शिवाजी महाराज के 351वें शिवराज्याभिषेक दिन के पावन अवसर पर अखिल भारतीय मराठा महासंघ, वर्धा की ओर से भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस शुभ दिन पर छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर मराठा उद्योगपति चंदा शिंदे ने महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मराठा महासंघ के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज को नमन किया तथा महाराज के नाम का जयघोष कर उनकी वीरता और आदर्शों को याद किया। कार्यक्रम में मराठा महासंघ विदर्भ के महासचिव दीपक कदम, संभागीय उपाध्यक्षा रोहिणी बाबर, क्षत्रिय मराठा समाज के अध्यक्ष प्रमोद खंडागले, जिलाध्यक्षा मनीषा निकम, कार्यकारी अध्यक्ष अभिजीत जांभुलकर, जिला उपाध्यक्ष कुंदा घाडगे, शहराध्यक्षा साधना पवार, सदस्य मंजूषा कदम, मेघा कदम, मराठा उद्योगपति अमोल शिर्के, सदस्य डॉ. विजय बाबर, प्रताप चरडे, शरद रणनवरे, संजय कदम, सामाजिक कार्यकर्ता सरोज दाते और धनश्री भांडेकर सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर सभी ने छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्शों का पालन करने का संकल्प लिया और उनके जीवन चरित्र को युवाओं के बीच फैलाने का आग्रह किया।

स्कूल, कॉलेजों को मिलेंगे 'लालपरी' के पास

लड़कियों को 100 प्रतिशत तथा लड़कों को 66 प्रतिशत छूट

अमरावती.

इस वर्ष विदर्भ में शैक्षणिक वर्ष 23 जून से शुरू होगा। इस पृष्ठभूमि में, महाराष्ट्र राज्य परिवहन निगम के अधिकारियों ने स्कूलों और कॉलेजों में छात्रों को मुफ्त यात्रा और रियायती पास वितरित करने का निर्णय लिया है। प्रधानाचार्य को स्कूल आने वाले विद्यार्थियों की सूची और उनकी बोनाफाइड उपलब्ध करानी होगी जिसके बाद दूर दराज से एसटी बस से स्कूल आने वाले विद्यार्थियों को 'लालपरी' से जाने के लिए पास मिल जाएंगे।

अमरावती जिले में प्रतिदिन 35,000 लड़के-लड़कियां पास लेकर एसटी बसों में यात्रा करते हैं। इनमें से अनुमानित 20,000 लड़कियां प्रतिदिन पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर निःशुल्क बस पास योजना के तहत 100 प्रतिशत रियायत के साथ निःशुल्क यात्रा करती हैं। शेष 15,000 बच्चे दैनिक यात्रा किराये पर 66 प्रतिशत छूट के साथ पास के माध्यम से यात्रा करते हैं। ये रियायती दरें महाराष्ट्र सरकार द्वारा नियमित रूप से लागू की जाती हैं। वर्तमान में 65 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को एसटी निगम की बसों में 50 प्रतिशत की छूट मिलती है और 75 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलती है। वहीं, लाड़ली बहनों को 50 प्रतिशत की छूट मिलती है। इसी प्रकार, कक्षा 5 से 12 तक पढ़ने वाली बालिकाओं के लिए पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर निःशुल्क बस पास योजना है।

मिलेगी निःशुल्क पास

❍ योजना के तहत निःशुल्क पास पाने के लिए बालिकाओं या बालकों को उस स्कूल या कॉलेज का प्रमाण पत्र और एक फोटोग्राफ देना होता है। यदि प्रधानाध्यापक या प्रिंसिपल अपने स्कूल या कॉलेज के विद्यार्थियों को मुफ्त बस पास उपलब्ध कराना चाहते हैं तो उन्हें निगम के डिपो मैनेजर को पत्र प्रस्तुत करना होगा। तदनुसार, उन्हें उनके स्कूलों में पास उपलब्ध कराये जायेंगे।

आईडीसीसीएम में डॉ. ऋचा पाटिल खेत्रे की शानदार उपलब्धि

नागपुर.

नागपुर की युवा और प्रतिभाशाली डॉक्टर ऋचा पाटील खेत्रे ने चिकित्सा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए आईडीसीसीएम (इंडियन डिप्लोमा इन क्रिटिकल केयर मेडिसिन) परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। यह प्रतिष्ठित कोर्स उन्होंने वोक्हार्ट हॉस्पिटल, नागपुर से पूर्ण किया। डॉ. ऋचा ने अपनी चिकित्सा यात्रा की शुरुआत डॉ. उल्हास पाटील मेडिकल कॉलेज, जलगांव से एम.बी.बी.एस. करके की, जिसके पश्चात उन्होंने लता मंगेशकर मेडिकल कॉलेज, नागपुर से एम.डी. (एनेस्थीसिया) की डिग्री प्राप्त की। साल 2021 में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर का आई.इ.इ.सी.पी.एस. प्रशिक्षण भी पूर्ण किया, जो ईईसीपी सोसायटी (यू.एस.ए.) द्वारा आयोजित था। यह प्रशिक्षण हील युवर हार्ट वासोमेडिटेक (यूएसए) से हुआ, जो हृदय रोगियों के लिए

अत्यंत लाभकारी माना जाता है। उनकी इस बड़ी उपलब्धि पर डॉ. प्रदीप पाटील, अर्चना पाटील, डॉ. कौस्तुभ खेत्रे, विशाल खेत्रे, रेणुका खेत्रे, पल्लवी खेत्रे एवं रिया पाटील ने उन्हें ढेरों शुभकामनाएं दी हैं।वर्तमान में डॉ. ऋचा पाटील खेत्रे त्रिमूर्ति नगर, नागपुर स्थित श्री स्वामी समर्थ हॉस्पिटल में कार्यरत हैं। यह हॉस्पिटल हृदय की 70% से 100% ब्लॉकेज का इलाज बिना ऑपरेशन इ.इ.सी.पी. मशीन द्वारा करता है, और नागपुर का एकमात्र यूएसएफडीए मान्यता प्राप्त केंद्र है जहा चार आधुनिक इ.इ.सी.पी. मशीनें उपलब्ध हैं। डॉ. ऋचा ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने पिता डॉ. प्रदीप पाटील, माता अर्चना पाटील, सास-ससुर दादासाहेब खेत्रे व अलका खेत्रे, और पति डॉ. कौस्तुभ खेत्रे को दिया है। डॉ. ऋचा पाटील खेत्रे एक कुशल अतिदक्षता एवं गंभीर रोग विशेषज्ञ हैं, जो समर्पण और सेवा भाव से चिकित्सा क्षेत्र में कार्यरत हैं। स्वस्थ भारत की दिशा में उनका योगदान प्रेरणादायक है!

भोपाल बन रहा सनातन संस्कृति का केंद्र

भोपाल.

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भोपाल, सनातन संस्कृति के केंद्र के रूप में पहचान बनाने की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ा है. कैंची धाम वाले नीम करोली महाराज के हनुमत धाम के निर्माण से भोपाल की आभा और कीर्ति बढ़ेगी.

उन्होंने कहा कि भोपाल में राजा भोज के नाम से भोज द्वार बनाने का संकल्प लिया गया था, हनुमत धाम निर्माण भी इसी दिशा में एक कदम है. मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य सहित भारतीय संस्कृति से जुड़े सभी गौरवशाली पक्षों को यहां प्रदर्शित किया जाएगा. मुख्यमंत्री डॉ. यादव कैंची धाम वाले नीब करोली महाराज के रतनपुर भोपाल में बन रहे हनुमत धाम के भूमि पूजन कार्यक्रम को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर प्रकाशित स्मारिका "कैंची धाम वाले नीब करोली महाराज-बाबा का हनुमत धाम" का विमोचन भी किया. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल में बाबा का धाम बनाने का राम राज

बाबा नीब करौरी चैरिटेबल ट्रस्ट का संकल्प स्वागत योग्य है. बाबा से जुड़े कार्यक्रम में सम्मिलित होना सौभाग्य का विषय है. धाम निर्माण का संकल्प एक अध्यात्मिक युग के सूत्रपात जैसा है.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कैंची धाम की महिमा देश-विदेश में अनुभव की जा रही है. वैश्विक स्तर पर उनके अनुभवों और संदेशों से लोग प्रेरणा ले रहे हैं. भोपाल का यह धाम सम्पूर्ण प्रदेश और आस-पास के राज्यों के लिए बाबा के आशीर्वाद का केन्द्र बनेगा. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धाम के लिए डॉ. बृजेश श्रीवास्तव द्वारा भूमि समर्पित करने के लिए उनकी सराहना करते हुए भूमि दान को अनुकरणीय पहल बताया.

संजीवनी क्लीनिक दो साल से तैयार
फिर भी इलाज शुरू नहीं – स्टाफ और स्वीकृति का इंतजार

सौसर.

सौसर शहर के पुराने अस्पताल भवन में मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक का निर्माण दो साल पहले ही पूरा हो चुका है, लेकिन आज तक यहां मरीजों का इलाज शुरू नहीं हो पाया है। विधानसभा चुनाव से पूर्व भव्य लोकार्पण तो हुआ, पर अब तक न स्टाफ की नियुक्ति हुई, न तकनीकी पद भरे गए, न ही आवश्यक दवाइयाँ और उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेश शुक्ला ने बताया कि क्षेत्र के कई अस्पतालों में डॉक्टरों की भारी कमी है, जिसमें सांवगा, पारडसिंगा, मोहगांव हवेली जैसे स्थान शामिल हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि संजीवनी क्लीनिक के

संचालन के लिए स्टाफ और संसाधनों की मंजूरी अभी भोपाल से नहीं मिली है। स्थानीय नागरिकों ने नाराजगी जताते हुए सरकार से मांग की है कि जल्द से जल्द इस क्लीनिक को चालू किया जाए और एक विशेषज्ञ डॉक्टर की भी नियुक्ति की जाए, ताकि क्षेत्रीय लोगों को प्राथमिक उपचार की सुविधा समय पर और नजदीक मिल सके।

दो साल से तैयार भवन, अब तक शुरू नहीं हुआ इलाज,डॉक्टरों और तकनीकी स्टाफ की भारी कमी

भोपाल से अब तक नहीं मिली आवश्यक मंजूरी.स्थानीय लोगों ने की क्लीनिक जल्द शुरू करने की मांग.

एसटी डिपो को मिली पांच नई एसटी बसें, यात्रियों को मिली हलकी राहत

बुलढाणा: बुलढाणा डिपो में बसों की हालत बहुत खराब होने के कारण ग्रामीण क्षेत्रों के यात्रियों के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में लंबी दूरी की यात्रा करने वालों को अपनी जान हथेली पर रखकर यात्रा करनी पड़ती है, इसे देखते हुए बुलढाणा के शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ ने बुलढाणा जिले में 460 एसटी बसों की मांग की थी। बुलढाणा एसटी डिपो में 50 से 60 बसों की मांग मंत्री प्रताप सरनाईक से की गई थी, इनमें से पांच गाड़ियां अब बुलढाणा डिपो में आ गई हैं। इससे यात्रियों को कुछ राहत मिली है और अगले चरण में जल्द ही अन्य बसें भी उपलब्ध होंगी। आज विधायक संजय गायकवाड़ ने इस बस के लिए पूजा-अर्चना की और इसका लोकार्पण किया।

बुलढाना बैंक ने सुलेखा कुंभारे का किया स्वागत

कामठी .

महाराष्ट्र शासन सामाजिक न्याय व विशेष सहायता विभाग द्वारा ओगावा सोसायटी को पुरस्कृत किए जाने पर हुआ अभिनंदन, एक ऐसा आयोजन है जिसमें बुलढाणा अर्बन बैंक की ओर से ओगावा सोसायटी को सरकार द्वारा दिए गए राज्य स्तरीय शाहू-फुले- आंबेडकर पुरस्कार के लिए सम्मानित किया गया है। यह आयोजन ओगावा सोसायटी के सदस्यों, अधिकारियों और अन्य संबंधित लोगों को एक साथ लाता है, ताकि वे इस सम्मान को साझा कर सकें और अपनी खुशी व्यक्त कर सकें।

ज्ञात हो कि बुलढाणा अर्बन बैंक कामठी शाखा के अंतर्गत आज सोमवार को आयोजित स्वागत कार्यक्रम में झोनल मैनेजर विनय कृ. राजे के हस्ते ओगावा सोसायटी अध्यक्षा व ड्रैगन पैलेस टेंपल प्रमुख एवं पूर्व राज्यमंत्री एड. सुलेखा कुंभारे को पुष्पगुच्छ प्रदान कर सम्मानित किया गया। उनका

योगदान न सिर्फ प्रशंसनीय है बल्कि समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत भी हैं। इस सम्मान कार्यक्रम दौरान बुलढाणा अर्बन बैंक के कामठी शाखा के मैनेजर मनोज बड़वाइक सहित विशाल गिरहे, संजय हारोडे, सर्वदा जोशी, कैलाश गभने आदि बैंक के अधिकारी व कर्मचारी प्रमुखता से उपस्थित रहे।

महिला पतंजलि योग समिति ने किया राज्य स्तरीय तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

वर्धा.

पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के अंतर्गत महिला पतंजलि योग समिति महाराष्ट्र पूर्व द्वारा तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला 9 जून से 11 जून तक वर्धा के मातोश्री सभागार में आयोजित की जा रही है। इस कार्यशाला में पूर्व महाराष्ट्र के 18 जिलों से आमंत्रित महिला पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारियों, पदाधिकारियों और निशुल्क सेवा देने वाले कार्यकर्ताओं की भागीदारी होगी।

योग ऋषि स्वामी रामदेव महाराज, आचार्य बालकृष्ण महाराज और साध्वी देवप्रिया के संकल्पानुसार पूरी दुनिया को योगयुक्त और निरोगी बनाने के मिशन के तहत यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। इस कार्यशाला में योग के साथ-साथ यज्ञ, आयुर्वेद, आध्यात्म, स्वदेशी तथा घरेलू उपचारों के प्रचार-प्रसार पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। पिछले 25 वर्षों से महिला पतंजलि योग समिति महाराष्ट्र पूर्व के 18 जिलों में योग, आयुर्वेद, हर्बल वितरण, वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, नशा मुक्ति अभियान और रक्तदान शिविरों जैसे कई सामाजिक और राष्ट्रहित के कार्य सफलतापूर्वक संचालित कर रही है। स्वामी रामदेव महाराज का सपना है कि भारत रोगमुक्त, भयमुक्त और भ्रष्टाचारमुक्त बने। इसे साकार करने के लिए समिति गांव-गांव जाकर योग शिविर, जागरूकता कार्यक्रम और निःशुल्क योग कक्षाएं संचालित करती है।

इस कार्यशाला में स्वामी रामदेव महाराज, आचार्य बालकृष्ण महाराज और साध्वी देवप्रिया ऑनलाइन मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। साथ ही योग, एकीकृत पैथी, यज्ञ चिकित्सा, आयुर्वेदिक औषधियों, शरीर विज्ञान, स्वदेशी चिकित्सा पद्धति, नवधा भक्ति, दिव्य सम्पदा योग, सेवा की महिमा आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा होगी। सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

कार्यशाला का उद्घाटन वर्धा के राज्य मंत्री और पालकमंत्री पंकज भोयर, जिला कलेक्टर वान्मथी सी, समाज सेविका शीतल भोयर, श्रद्धा कुणावर, महिला पतंजलि योग समिति की संरक्षक तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किया जाएगा।

21 जून को राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मातोश्री हॉल से सोशलिस्ट चौक तक भव्य योग रैली का आयोजन किया जाएगा। पतंजलि योग समिति महाराष्ट्र पूर्व की राज्य प्रभारी संजीवनी माने एवं समस्त महिला पतंजलि योग समिति ने वर्धा के सभी योग प्रेमी भाई-बहनों से बड़ी संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

ऑरियस अस्पताल, नागपुर का 7वां स्थापना दिवस आज भव्य आयोजन के साथ मनाया जाएगा

नागपुर.

ऑरियस अस्पताल, नागपुर के स्वास्थ्य क्षेत्र में गुणवत्ता, नवीनता और उत्कृष्टता का प्रतीक, आज 10 जून 2025 को अपने 7वें स्थापना दिवस का भव्य आयोजन कर रहा है। सात वर्षों के इस सफर में अस्पताल ने मरीजों को सर्वोत्तम चिकित्सा सेवाएं और अत्याधुनिक तकनीक के साथ भरोसेमंद स्वास्थ्य देखभाल उपलब्ध कराई है।

ऑरियस इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में इमरजेंसी मेडिसिन, क्रिटिकल केयर, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, बैरिएट्रिक एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जरी, बोन मैरो, किडनी और कॉर्नियल ट्रांसप्लांट, हेमेटोलॉजी, कैंसर सर्जरी, कार्डियोलॉजी, यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, जॉइंट रिप्लेसमेंट, ट्रॉमा, गायनेकोलॉजी, बालरोग, ब्रेन और स्पाइन सर्जरी, न्यूरोलॉजी, ऑप्थैल्मोलॉजी और ईएनटी सहित

अस्पताल का पता:
प्लॉट नं. 16, वांजारी नगर, मेडिकल कॉलेज रोड, नागपुर - 440003
फोन: 0712-2820311 / 2820322 / 2820300
वेबसाइट: [www.aureushospital.com] (http://www.aureushospital.com)
ई-मेल: [info@aureushospital.com] (mailto:info@aureushospital.com)

कई विशेषज्ञ विभाग सक्रिय हैं।

यहाँ 30 बेड का अत्याधुनिक इंटेंसिव केयर यूनिट, 4 मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, उच्च तकनीक कैथ लैब और 24 घंटे रेडियोलॉजी सेवाएं (एक्स-रे, यूएसजी, सीटी-स्कैन) उपलब्ध हैं। अस्पताल की अत्याधुनिक लैबोरेटरी, फार्मेसी और व्यापक स्वास्थ्य जांच पैकेज मरीजों को एक ही छत के नीचे पूरी चिकित्सा सुविधा प्रदान करते हैं। ऑरियस अस्पताल अपनी मानवीय सेवा, मरीज-केंद्रित दृष्टिकोण और निरंतर उन्नत चिकित्सा तकनीक के कारण नागपुर और आसपास के क्षेत्र में एक विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवा केंद्र के रूप में स्थापित हो चुका है।

इस स्थापना दिवस के अवसर पर अस्पताल प्रबंधन और चिकित्सा टीम सभी मरीजों, डॉक्टर्स, और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने अस्पताल के इस सफल सफर में निरंतर समर्थन और विश्वास दिया है।

15 जून को निकलेगी एकनाथ महाराज की पालकी यात्रा, 5 जुलाई को पंढरपुर पहुंचेगी

सौसर (रामाकोना).

वारकरी संप्रदाय के आराध्य देव भगवान श्री विठ्ठल के आषाढ़ी एकादशी मेले के लिए श्री संत एकनाथ महाराज कृपा प्रासादिक दिंडी 15 जून को रामाकोना से आलंदी के लिए रवाना होगी। यह पालकी यात्रा महाराष्ट्र के प्रसिद्ध पंढरपुर मेले में भाग लेकर विठ्ठल रुखमिणी दर्शन के लिए परंपरागत वारी के रूप में निकाली जा रही है।

दिंडी संचालक हरिभक्त परायण देवराव महाराज रुंधे (रामाकोना) ने जानकारी दी कि यह यात्रा 19 जून को आलंदी पहुंचकर कैवल्य चक्रवर्ती सम्राट श्री संत ज्ञानेश्वर माऊली आषाढी पालकी उत्सव में शामिल होगी और वहां से पंढरपुर की ओर

रवाना होगी। इस धार्मिक यात्रा के माध्यम से भक्ति, अनुशासन और संत परंपरा का अनूठा संगम देखने को मिलेगा।

पालकी यात्रा में सौसर तहसील के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में वारकरी और हरिभक्त शामिल होंगे। इस पवित्र यात्रा में प्रमुख सहयोगियों में विनेकरी चंद्रकांत पाल, बब्लू महाराज उपासे, चंद्रहास्य भक्ते, आकाश महाराज भटे, दलाजी राऊत बुचने, दिनेश धुंडे और सहयोगी के रूप में सुधाकर गुर्वे, ज्ञानेश्वर लुढेकर, सिताराम भक्ते, ज्ञानेश्वर जानभोर, सुभाष परतेती अपनी सेवाएं देंगे।

पालकी 5 जुलाई को पंढरपुर पहुंचेगी और भगवान श्री विठ्ठल के चरणों में वारी पूरी करेगी। इसके बाद 10 जुलाई को वापसी यात्रा प्रारंभ होगी और 12 जुलाई को रामाकोना के दुर्गा कॉलोनी स्थित शिव मंदिर में समापन होगा। 15 जून को रामाकोना से होगी पालकी की शुरुआत, 19 जून को आलंदी से संत ज्ञानेश्वर पालकी में होगी शामिल. 5 जुलाई को पहुंचेगी पंढरपुर. 12 जुलाई को रामाकोना में होगा समापन. सैकड़ों वारकरी भक्तों की भागीदारी. वारकरी भक्ति और संत परंपरा की इस अद्वितीय यात्रा में भाग लेने के लिए श्रद्धालुओं में उत्साह चरम पर है।

अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस पर खिलाड़ियों ने किया पौधारोपण!
समर बैडमिंटन कैम्प के खिलाड़ियों की पहल

दिग्रस.

अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के अवसर पर हाल ही में समर बैडमिंटन कैम्प के खिलाड़ियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण सुरक्षा का अनमोल संदेश दिया.

एक खिलाड़ी-एक पेड़ इस संकल्पना के तहत उपरोक्त पहल में शामिल खिलाड़ियों ने पौध रोपण

कर पर्यावरण सुरक्षा की शपथ ली. खो-खो प्रशिक्षक फारूक चव्हाण ने खिलाड़ियों को शपथ दिलाई. इस आयोजन के पीछे का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए आयोजको ने बताया कि, इस पहल का लक्ष्य न सिर्फ पौध रोपण करना और पेड़ों की रक्षा करना है बल्कि इस पहल से पर्यावरण की सुरक्षा के साथ ही युवा पीढ़ी को पौध रोपण के महत्व से अवगत कराने में भी मदद मिलेगी. समर बैडमिंटन कैम्प में शामिल खिलाड़ीयो ने मोहनाबाई कन्या शाला व दिनबाई विद्यालय परिसर में शिसम, नीम आदि पेड़ लगाए. इस मौके पर क्रीडा शिक्षक फैजान शेख, फारूख चव्हाण, आसिफोदिन काजी, अज़ीम शेख, सादिक गारवे, भाऊराव राठोड़, साक्षी जाधव, आशीष अगलदरे, मनोज काटकर आदि उपस्थित थे.

शुभांक		
श्रीदेवी	570-2	379-9
श्रीदेवी नाईट	267-5	357-5